खण्ड कार्यालय–अधिशासी अभियन्ता, उ.प्र. जल निगम (ग्रामीण),

जल निगम कालोनी, जेल रोड, जनपद–बहराइच, पिन कोड–271801

E-Mail ID- ee_cd_behraich@yahoo.com, Mobile No- 9473942718

पत्रांक 915 / वि०-5 / 17 दिनांक 14.07.2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण),
उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण),
लखनऊ।

विषयः– विकास खण्ड हुजुरपुर के ग्राम पंचायत हुजूरपुर में निर्मित पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि राष्ट्रीय दैनिक, बुद्ध का संदेश में प्रकाशित शीर्षक "जल जीवन मिशन पर लगा सवालिया निशान, लाखों की पानी टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा "हर घर जल" का लाभ" जों विकास खण्ड हुजूरपुर के ग्राम पंचायत हुजूरपुर में निर्मित पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध है। जिसके सम्बन्ध में अवगत कराना है कि वर्ष 2019–20 में पूर्ण कर संचालित करा दिया गया था। परन्तु मार्ग चौंडीकरण के दौरान मैन वितरण प्रणाली को पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया जिससे जलापूर्ति बाधित हो गयी।

वर्तमान में योजनाओं के मरम्त व रख–रखाव हेतु प्राक्कलन तैयार कर प्रधान कार्यालय प्रेषित किया गया था जिसके उपरान्त वर्तमान में प्राक्कलन स्वीकृत हो गये हैं। जिसके सम्बन्ध में फर्म को उक्त पाइप पेयजल योजना के मरम्मत हेतु निर्देशित कर दिया गया है, योजना का शीघ्र मरम्मत कराते हुए योजना को संचालित करा दिया जायेगा।

सादर सूचनार्थ प्रेषित।

भवदीय

अधिशासी अभियन्ता

पृ०सं० एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।

1. प्रबन्ध निदेशक महोदय, उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता(गो०क्षे०), उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण), गोरखपुर।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण), गोण्डा।
4. जिलाधिकारी, बहराइच।
5. मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच।

अधिशासी अभियन्ता

Scanned with CamScanner

खण्ड कार्यालय–अधिशासी अभियन्ता, उ.प्र. जल निगम (ग्रामीण),

जल निगम कालोनी, जेल रोड, जनपद–बहराइच, पिन कोड–271801

E-Mail ID- ee_cd_behraich@yahoo.com, Mobile No- 9473942718

पत्रांक 915 / वि०-5 / 17 दिनांक 14.07.2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण),
उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण),
लखनऊ।

विषयः– विकास खण्ड हुजुरपुर के ग्राम पंचायत हुजूरपुर में निर्मित पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि राष्ट्रीय दैनिक, बुद्ध का संदेश में प्रकाशित शीर्षक "जल जीवन मिशन पर लगा सवालिया निशान, लाखों की पानी टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा "हर घर जल" का लाभ" जो विकास खण्ड हुजूरपुर के ग्राम पंचायत हुजूरपुर में निर्मित पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध है। जिसके सम्बन्ध में अवगत कराना है कि वर्ष 2019–20 में पूर्ण कर संचालित करा दिया गया था। परन्तु मार्ग चौंडीकरण के दौरान मेन वितरण प्रणाली को पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया जिससे जलापूर्ति बाधित हो गयी।

वर्तमान में योजनाओं के मरम्त व रख–रखाव हेतु प्राक्कलन तैयार कर प्रधान कार्यालय प्रेषित किया गया था जिसके उपरान्त वर्तमान में प्राक्कलन स्वीकृत हो गये ,हैं। जिसके सम्बन्ध में फर्म को उक्त पाइप पेयजल योजना के मरम्मत हेतु निर्देशित कर दिया गया है, योजना का शीघ्र मरम्मत कराते हुए योजना को संचालित करा दिया जायेगा।

सादर सूचनार्थ प्रेषित।

भवदीय

/

अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।

1. प्रबन्ध निदेशक महोदय, उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता(गो0क्षे0), उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), गोरखपुर।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), गोण्डा।
4. जिलाधिकारी, बहराइच।
5. मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच।

अधिशासी अभियन्ता

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय दैनिक, बुद्ध का संदेश

जल जीवन मिशन पर लगा सवालिया निशान, लाखों की पानी टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा "हर घर जल" का लाभ

ब्यूरो दैनिक बुद्ध का संदेश 2 weeks ago

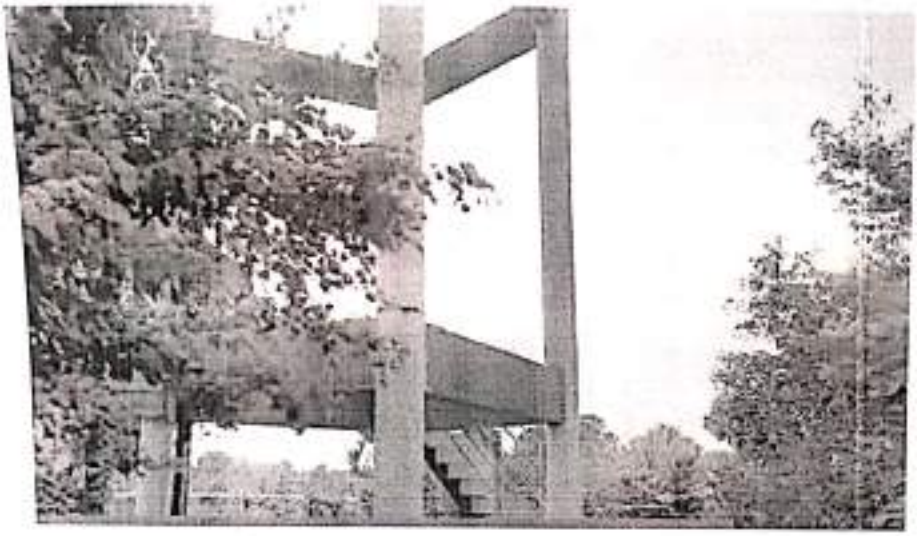

[illegible], उत्तर प्रदेश।

जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में "हर घर जल" पहुंचाने के सरकारी दावों की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। [illegible] क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई पानी की टंकी और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था आज भी ग्रामीणों के लिए बेकार साबित हो रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत बुनियादी ढांचा तो तैयार कर दिया गया, लेकिन नलों तक पानी की नियमित आपूर्ति अब तक शुरू नहीं हो सकी है। कई गांवों में पाइपलाइन बिछाने और टंकी निर्माण के बावजूद लोग आज भी हैंडपंप और निजी स्रोतों पर निर्भर हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गर्मी और पेयजल संकट के बीच यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। "हर घर जल" योजना केवल कागजों में सफल दिखाई दे रही है, जबकि जमीनी स्तर पर व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है।

ग्रामीणों ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति शुरू करने की भी अपील की है।

अब सवाल यह उठ रहा है कि जब लाखों करोड़ों रुपये खर्च हो चुके हैं, तो आखिर ग्रामीणों को योजना का वास्तविक लाभ कब मिलेगा।

Scanned with CamScanner